### राजस्व विभाग

# युद्ध जागीर

# दिनांक 11 दिसम्बर, 1989

कमांक 1014-ज-(II)-89/34751.—श्री रघवीर सिंह, पुत्र श्री उमराम्रो सिंह, निवासी गांव बोन्दकलां, तहसील दादगा ीता निवासी गांव वोन्दकलां, तहसील दादगा ीता निवासी गांव पूर्व पुरुष्कार अधितियन, 1948 को धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) हे मधीन सरकार की मधिसूचना कमांक 312-म्रार-4-66/1274, दिनांक 29 मप्रेल, 1967 द्वारा 100 रुपये वाधिक और बाद में अधिसूचना कमांक 5041-म्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये भीर उसके बाद मधिसूचना कमांक 1789-ज-[-79/44040, दिनांक 30 मन्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ांकर 300 रुपये वाधिक की दर से जागीर मंजर की गई थी।

2. ग्रव श्री रघबीर सिंह की दिनांक 3 दिसम्बर, 1986 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त ग्रिधिनियम, (जैंगिक उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रिधीन प्रदान की गुई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री रघबीर सिंह की विधवा श्रीमती रामकटोरी के नाम स्रीफ, 1987 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गुई शर्तों के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

## दिनांक 13 दिसम्बर, 1989

क्रमांक 1041-ज(2)-89/34974. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ब्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हित्याणा राज्य में अपनाया ग्रया है और उसमें ब्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा  $2(\psi)$  ( $\psi$ ) तथा  $3(\psi)$  के ब्रनुसार सौपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हित्याणा के राज्यपाल श्री भगवान सिंह, पुत्र श्री लेखराम, गाँव इमलोटा, तहसील चरखी दादरी, जिला भिवानी को रबी, 1969 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपए बार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक सनद में दी गई शर्ती के ब्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

# दिनांक 14 दिसम्बर, 1989

कमांक 1042-ज-2-89/35057.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरयाणा राज्य में ग्रपना गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौप गये ग्रिधि कारों का प्रयोग करते हुए, हिर्याणा के राज्यपाल श्री मोहर सिंह, पुत्र श्री हरद्वारी लाल, गांव बोन्द कलां, तहसील दादरी, जिला भिवानी को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक सनद भें दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहषे प्रदान करते हैं।

#### दिनांक 21 दिसम्बर, 1989

कमांक 1093-ज-(II)-89/35740.—श्री झुण्डा राम, पूत श्री बनशी राम, निवासी गांव उमर्वास, तहसील चरखी दादरी, जिला भिवानी को पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार ग्रिधितियम, 194 की धारा 2(0)(17) तथा 3(10) के ग्रिधीन सरकार की ग्रिधिस्चना कमांक 2983-ज-I-74/8671, दिनांक 31 मार्च, 1975 द्वारा 100 रुपये वार्षिक ग्रीर बाद में ग्रिधिस्चना कमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये ग्रीर उसके बाद में ग्रिधिस्चना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रिन्त्वर, 1978 द्वारा 150 रुपये से बहाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजर की गई थी।

2. ब्रव श्री झुण्डा राम की दिनांक, 10 सितम्बर, 1986 हो हुई मृत्यु के परिणाम स्वरून, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अन्ताया गरा है श्रीर उसमें जाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर की श्री झुण्डा राम की विधवा श्रीमती निषया के नाम रबी, 1987 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्ती के अन्तर्गत तबरील करते हैं।